18 जनवरी 2026
रविवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

अब सप्ताह में दो दिन लगेगा जनता दरबार, सोमवार और शुक्रवार को जनता करेगी प्रशासन से सीधा संवाद

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

आपकी आवाज

एक नजर

जल कांड पीड़ितों के परिजनों से मिले राहुल गांधी

इंदौर। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से हुई मौतों और बड़ी संख्या में बीमार लोगों के मामले ने राजनीतिक और सामाजिक हलकों में हलचल मचा दी है। इसी कड़ी में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी इंदौर पहुंचे और पीड़ितों से सीधे मुलाकात कर उनका दर्द सुना। राहुल गांधी ने सबसे पहले बॉम्बे अस्पताल जाकर भर्ती मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात की। करीब 15 मिनट तक उन्होंने इलाज, हालात और प्रशासनिक मदद को लेकर जानकारी ली। इस दौरान उनके साथ दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार और पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ भी मौजूद रहे। अस्पताल से निकलने के बाद राहुल गांधी सीधे भागीरथपुरा बस्ती पहुंचे, जहां दूषित जल कांड से प्रभावित परिवारों से उन्होंने आमने-सामने बातचीत की। यहां उन्होंने मृतकों के स्वजनों और पीड़ित परिवारों को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक सौंपा।

पुणे-पिंपरी की जनता ने अजित दादा को नहीं नकारा

पुणे। महाराष्ट्र में शहरी निकाय चुनावों के नतीजों के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में भाजपा की बड़ी जीत के बाद मुख्यमंत्री फडणवीस ने साफ कहा कि जनता ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार को खारिज नहीं किया है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के नेतृत्व पर भरोसा जताया है। फडणवीस ने इसे जनादेश नहीं, बल्कि जनता की जिम्मेदारी भी बताया। पुणे में पत्रकारों से बातचीत में जब फडणवीस से पूछा गया कि अब पुणे का ह्यदादाह्न कौन है, तो उन्होंने कहा कि पुणे के लोग ही असली दादा हैं और हम सब उनके सेवक हैं। उन्होंने कहा कि इस जीत को किसी व्यक्ति की हार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह जनादेश भाजपा के विकास और सुशासन के एजेंडे के समर्थन में है। फडणवीस ने पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ के मतदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि वह इस भरोसे के लिए कृतज्ञ हैं।

77वें गणतंत्र दिवस परेड में 'वंदे मातरम' थीम पर 30 झांकियां, कर्तव्य पथ पर दिखेगा भारत का गौरव

- महाराष्ट्र गणेशोत्सव को आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में प्रदर्शित करेगा
- केरल अपने जल मेट्रो और 100 प्रतिशत डिजिटल शासन पहलों को सबके समझ रखेगा

एजेंसी। नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस परेड पर सबसे आकर्षण का केंद्र होती हैं रंग-बिरंगी झांकियां। सांस्कृतिक धरोहर और विकासात्मक उपलब्धियों का जीवंत प्रदर्शन करने वाली इन झांकियों का सबको बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है। तो जनाब तैयार रहिए, इस बार 77वें गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की थीम पर आधारित 30 झांकियों से झंकृत होगा। आखिर हो भी क्यो न, देश इस वर्ष वंदे मातरम् के 150 वर्ष जो पूरे कर रहा है। इन झांकियों का विषय स्वतंत्रता का मंत्र-वंदे मातरम और समृद्धि का मंत्र - आत्मनिर्भर भारत होगा। यानी परंपरा और नवाचार का संगम देखने को मिलेगा। कुल 30 झांकियों में से 17 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों से होंगी जबकि 13 झांकियां विभिन्न मंत्रालयों, विभागों की ओर से पेश की जाएंगी। कई राज्य अपनी अनूठी सांस्कृतिक पहचान और विकास की कहानियों को इन झांकियों के जरिये दशाएँगे। असम की झांकी में आशिरकंडी, कारीगरों का गांव दिखाया जाएगा जबकि गुजरात और छत्तीसगढ़ वंदे मातरम् विषय का व्याख्यान करेंगे। महाराष्ट्र गणेशोत्सव को आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में प्रदर्शित करेगा तो उधर, बंगाल भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में बंगाल की भूमिका को दर्शाएगा। परंपरा और नवाचार का संगम कई झांकियों में देखने को मिलेगा। ओडिशा की सोइल टू सिलिकान झांकी परंपरा में निहित विकास को दर्शाएगी, तमिलनाडु भारत के ईवी निर्माण केंद्र के रूप में उभरने का प्रदर्शन करेगा और केरल अपने जल मेट्रो और 100 प्रतिशत डिजिटल शासन पहलों को सबके समझ रखेगा। नगालैंड की झांकी हंर्नेबिल महोत्सव को संस्कृति, पर्यटन और आत्मनिर्भरता के प्रतीक के रूप में प्रदर्शित करेगी। केंद्रीय मंत्रालयों में संस्कृति मंत्रालय की "वंदे मातरम्: द सोल-क्राई आफ ए नेशन" झांकी केंद्रीय विषय को केंद्रित करेगी, जबकि रक्षा मंत्रालय द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर त्रिसेवा झांकी प्रस्तुत की जाएगी, जो तीनों सेनाओं की संयुक्तता का प्रतीक होगी।

2,500 कलाकार देंगे सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

झांकियों के अलावा देशभर के लगभग 2,500 कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। परेड में कुल 18 मार्चिंग टुकड़ियां और 13 बैंड शामिल होंगे। सेना की नई भैरव बटालियन भी परेड में शामिल होगी। कुल मिलाकर गणतंत्र दिवस परेड भारत की धरोहर, एकता और प्रगति का एक दृश्यात्मक समृद्ध उत्सव बनेगी। इस वर्ष, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि होंगे।

रोहिंग्या और बांग्लादेशियों को संरक्षण दे रही टीएमसी

एजेंसी। नई दिल्ली

भाजपा ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर जमकर प्रहार किया। इसने बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के दौरान बीएलओ द्वारा आत्महत्या की घटनाओं तथा हिंसा में टीएमसी की भूमिका का आरोप लगाया। पार्टी ने विभिन्न राज्यों - लखनऊ, मुंबई, हरियाणा, छत्तीसगढ़, बिहार, जम्मू, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में प्रेस कान्फ्रेंस आयोजित किया। इनमें मीडिया संस्थानों पर पुलिस छापे, प्रेस की स्वतंत्रता पर सरकारी हमले और महिलाओं पर कांग्रेस विधायक के विवादास्पद बयान जैसे मुद्दों पर फोकस किया गया।भाजपा सांसद संबित पात्रा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर चुनावी प्रक्रिया को बाधित करने और अवैध प्रवासियों को संरक्षण देने के लिए हिंसा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि टीएमसी रोहिंग्याओं और बांग्लादेशियों को संरक्षण दे रही है और फरक्का के ब्लाक विकास कार्यालय में हुई एक घटना का हवाला दिया, जहां टीएमसी विधायक मनीरुल इस्लाम की मौजूदगी में हमला हुआ था।

16 कोच वाली अमृत भारत एक्सप्रेस में 823 यात्रियों की क्षमता है, इसमें ऑटोमैटिक दरवाजे हैं

पीएम मोदी बंगाल-असम दौरे पर, करोड़ों की दी सौगात

- पीएम सिंगूर में 830 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास करेंगे

एजेंसी। मालदा टाउन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से बंगाल और असम के दौरे पर जाएंगे। उनका यह दौरा पूर्वी भारत में रेल, सड़क और राष्ट्रीय राजमार्ग कनेक्टिविटी को नई गति देने वाला है। हजारों करोड़ की परियोजनाओं के शुभारंभ और शिलान्यास होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार और रविवार को पश्चिम बंगाल व असम के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे दोनों राज्यों में अलग-अलग कार्यक्रम में हजारों करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। पीएम कल नागांव में काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना का भूमि पूजन करेंगे। पीएम मोदी शनिवार को दोपहर करीब 1.45 बजे मालदा में एक सार्वजनिक समारोह में 3,250 करोड़ से अधिक की लागत वाली कई रेल और सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से चार नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। ये ट्रेनें हैं न्यू जलपाईगुड़ी-नागरकोइल अमृत भारत एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी-तिरुचिरापल्ली अमृत भारत, अलीपुरद्वार-एसएमवीटी बंगलूरू अमृत भारत और अलीपुरद्वार-मुंबई (पनवेल) अमृत भारत एक्सप्रेस। पीएम शाम 6 बजे, गुवाहाटी के सरुसजाई स्टेडियम में होने वाले पारंपरिक बोडो सांस्कृतिक कार्यक्रम बागुरुम्बा में हिस्सा लेंगे। यह बोडो समुदाय की समृद्ध विरासत का जश्न मनाने वाला कार्यक्रम होगा। पीएम रविवार को असम के नागांव जिले के कालियाबोर में 6,950 करोड़ से अधिक की लागत वाली काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना का भूमि पूजन करेंगे और दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे। 86 किमी लंबी यह एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना पर्यावरण के प्रति जागरूक राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना है। इसमें काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरने वाला 35 किमी लंबा एलिवेटेड वन्यजीव कॉरिडोर, 21 किमी का बाईपास खंड शामिल है। इसी दिन पीएम सिंगूर पहुंचेंगे और वहां 830 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास करेंगे।

बंगाल से कई रेल परियोजनाओं को दिखाएंगे

पीएम मोदी एलएचबी कोचों से लैस दो नई ट्रेन सेवाओं राधिकापुर-एसएमवीटी बंगलूरू एक्सप्रेस और बालुरघाट-एसएमवीटी बंगलूरू एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाएंगे। प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल में चार प्रमुख रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इनमें बालुरघाट और हिली के बीच नई रेल लाइन, न्यू जलपाईगुड़ी में अगली पीढ़ी की माल ढुलाई रखरखाव सुविधाएं, सिलीगुड़ी लोको शेड का उन्नयन और जलपाईगुड़ी जिले में वंदे भारत ट्रेन रखरखाव सुविधाओं का आधुनिकीकरण शामिल है। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों - गुवाहाटी (कामाख्या)-रोहतक अमृत भारत एक्सप्रेस और डिब्रूगढ़-लखनऊ (गोमती नगर) अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। ये नई रेल सेवाएं पूर्वोत्तर और उत्तरी भारत के बीच रेल संपर्क को मजबूत करेंगी, जिससे लोगों के लिए सुरक्षित और अधिक सुविधाजनक यात्रा संभव हो सकेगी।देश को पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की सौगात मिल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। यह वंदे भारत ट्रेन हावड़ा और गुवाहाटी के बीच चलेगी। 16 कोच वाली इस ट्रेन में 823 यात्रियों की क्षमता है। इसमें ऑटोमैटिक दरवाजे हैं। दोनों राज्यों को देंगे हजारो करोड़ रुपए की परियोजनाओं की सौगात। प्रधानमंत्री मालदा में पहली वंदे भारत स्लीपर को हरी झंडी दिखाएंगे। वे चार नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाएंगे।

नागरिक उड्डयन नियामक ने इंडिगो पर लगाया 22 करोड़ का जुर्माना

- 2500 से ज्यादा फ्लाइट रद करने के बाद हुआ एक्शन

एजेंसी। नई दिल्ली

दिसंबर 2025 में हजारों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना कराना क्ल्ल इंडिगो एयरलाइंस को महंगा पड़ गया। नागरिक उड्डयन नियामक ने बड़ी कार्रवाई करते हुए इंडिगोपर 22.20 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया है। इसके साथ ही एयरलाइन के वरिष्ठ प्रबंधन के खिलाफ सख्त प्रवर्तन कार्रवाई भी की गई है। यह कार्रवाई उस जांच के बाद हुई, जिसमें दिसंबर की शुरूआत में हुए बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिलेशन और देरी की जिम्मेदारी इंडिगोकी गंभीर लापरवाहियों को माना गया। इन गड़बड़ियों की वजह से देशभर के एयरपोर्ट पर तीन लाख से ज्यादा यात्री फंस गए थे। नागरिक उड्डयन नियामक की यह जांच नागरिक उड्डयन मंत्रालय के निर्देश पर गठित एक चार सदस्यीय समिति ने की थी, जिसने पूरी घटना की विस्तृत पड़ताल की। जांच में सामने आया कि 3 से 5 दिसंबर 2025 के बीच इंडिगो ने कुल 2507 उड़ानें रद कीं, जबकि 1852 फ्लाइट्स में देरी हुई। इस दौरान देश के कई बड़े एयरपोर्ट पर हालात बिगड़ गए और यात्रियों को घंटों तक इंतजार करना पड़ा। समिति के मुताबिक, यह केवल मौसम या बाहरी कारणों की वजह से नहीं हुआ, बल्कि एयरलाइन की आंतरिक योजना और संचालन में बड़ी चूक इसकी मुख्य वजह रही। इन तीन दिनों की अव्यवस्था को नागरिक उड्डयन नियामक ने बड़े पैमाने की परिचालन विफलता माना है। जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इंडिगोमें जरूरत से ज्यादा ऑपरेशन को ऑप्टिमाइज करनाएक बड़ी समस्या बन गया।

तेहरान में 1 महीने से फंसे 16 भारतीय नाविक

एजेंसी। नई दिल्ली

ईरान में फंसे 16 भारतीय नाविकों को लेकर भारत सरकार चिंतित है। ईरान में भारतीय दूतावास ने बताया है कि दिसंबर 2025 के मध्य में एमटी वैलेंट रोर नाम के जहाज को ईरानी अधिकारियों ने रोक लिया था। इस जहाज पर 16 भारतीय नागरिक सवार थे। भारत के दूतावास ने तुरंत ईरान सरकार से इन क्रू मेंबर्स से मिलने की इजाजत मांगी है। यह मांग कई बार की गई है, जिसमें दूतावास के अधिकारी और राजदूत ने भी मुलाकात की है। भारत सरकार यह भी चाहती है कि इन क्रू मेंबर्स को अपने परिवारों से बात करने की अनुमति मिले। ईरान के बंदर अब्बास में स्थित भारतीय दूतावास ने 14 दिसंबर को ही ईरान सरकार को पत्र लिखकर क्रू से मिलने की अनुमति मांगी थी। दूतावास ने बार-बार यह मांग दोहराई है। यह मांग कूटनीतिक चिट्ठियों और व्यक्तिगत मुलाकातों के जरिए की गई है। दूतावास के अधिकारी तेहरान और बंदर अब्बास में मिले हैं। यहां तक कि भारत के राजदूत ने भी इस मामले को उठाया है। जहाज के मालिक से दूतावास ने 15 दिसंबर को संपर्क किया था। इसके बाद कंपनी के ईरान स्थित एजेंटों से भी बात की गई। दूतावास ने कंपनी पर जोर दिया है कि वह जहाज पर सवार क्रू के लिए खाने, पानी और ईंधन का इंतजाम करे। साथ ही, ईरान की अदालतों में उनके लिए वकील की व्यवस्था भी करे। जब जहाज के क्रू ने बताया कि उनके पास खाना और पानी खत्म हो रहा है, तो भारतीय दूतावास ने जनवरी की शुरूआत में ईरानी नौसेना से संपर्क किया।

जनता दरबार में जमीन विवादों की भरमार, भूमि सर्वे के बावजूद कागजात सुधार पर उठे सवाल

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड अंचल कार्यालय में आयोजित जनता दरबार एक बार फिर यह साबित कर गया कि ग्रामीण इलाकों में जमीन से जुड़े विवाद प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं। अंचल कर्मियों की मौजूदगी में धनसोई थानाध्यक्ष विकास कुमार और राजपुर एसआई प्रमोद कुमार ने लोगों की फरियाद सुनी, लेकिन अधिकांश मामलों में जमीन संबंधी उलझनें ही छाई रहीं। जनता दरबार में सबसे अधिक चर्चा दुल्फा पंचायत के इटाढ़िया मौजा अंतर्गत मोहनी टोला की रही, जहां रामकिशोर सिंह और शिवधारी सिंह के बीच गलत तरीके से जमीन की रजिस्ट्री का आरोप लगाया गया। कागजातों की जांच के बाद प्रशासन ने निबंधन कार्यालय में आवेदन करने की सलाह देकर मामला आगे बढ़ा दिया। वहीं रोहतास जिले के कमहरिया गांव निवासी राम नगीना राम और सिसौंधा गांव के श्रवण पासवान के बीच दाखिल-खारिज का मामला सामने आया, जिसे वरीय पदाधिकारी के पास भेजने का सुझाव दिया गया।

पंचायत के जलहरा गांव में अरविंद कुमार राय और शैलेंद्र उर्फ झब्बू राय का विवाद पहले से न्यायालय में लंबित है, बावजूद इसके एक पक्ष द्वारा मकान निर्माण की तैयारी किए जाने पर प्रशासन ने तत्काल कार्य रोकने की हिदायत दी। ननौरा गांव के अमरनाथ राय और श्रीकांत राय के बीच जमाबंदी रद्द कराने का मामला भी न्यायालय के पाले में डाल दिया गया।

करीब एक दर्जन से अधिक जमीन विवादों ने जनता दरबार की तस्वीर साफ कर दी। देवढिया, मंगराव, खीरी, हेठुआ, नागपुर, उत्तमपुर, रघुनाथपुर, राजपुर सहित कई गांवों से पहुंचे ग्रामीणों ने खुलकर नाराजगी जताई। उनका कहना था कि सरकार भूमि सर्वेक्षण का दावा कर रही है, लेकिन वर्षों पुराने कागजात आज भी जस के तस हैं। कई लोगों ने 20 साल पहले जमीन खरीदी, पर आज तक दाखिल-खारिज नहीं हो सका।

प्रशासन ने समाधान के तौर पर वरीय अधिकारियों के पास आवेदन की सलाह दी, लेकिन सवाल यही है कि जब जनता दरबार में भी जमीन के मामलों का स्थायी हल नहीं निकल पा रहा, तो आम ग्रामीण आखिर न्याय के लिए कहां जाए।

अब सप्ताह में दो दिन लगेगा जनता दरबार, सोमवार और शुक्रवार को जनता करेगी प्रशासन से सीधा संवाद

- सात निश्चय योजनाद्दभाग 3 के तहत बक्सर में बड़ी पहल, सबका सम्मान-जीवन आसान की दिशा में जिला प्रशासन का कदम

केटी न्यूज/बक्सर

आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और संवेदनशील समाधान की दिशा में बक्सर जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण और जनहितकारी कदम उठाया है। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी ह्लसात निश्चय योजना भाग 3 के अंतर्गत अब बक्सर जिले में जनता दरबार का आयोजन प्रत्येक सप्ताह दो दिन, सोमवार एवं शुक्रवार को किया जाएगा। इस संबंध में समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में जिलाधिकारी साहिला एवं पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य की संयुक्त अध्यक्षता में एक अहम मीडिया प्रेस

वार्ता आयोजित की गई।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी साहिला ने बताया कि सरकार की मंशा के अनुरूप ह्लसबका सम्मान, जीवन आसानह्व की भावना को धरातल पर उतारने के लिए जनता दरबार की व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है। अब सप्ताह में एक के बजाय दो दिन जनता दरबार आयोजित होने से आम लोगों को अपनी समस्याएं रखने के लिए अधिक अवसर मिलेंगे और मामलों का निष्पादन भी तेजी से किया जा सकेगा।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनता दरबार का आयोजन प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार को अपराहन तीन बजे से समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में होगा। जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिले के नागरिकों को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, बल्कि एक ही मंच पर उनकी समस्याओं का समाधान हो सके।

उन्होंने बताया कि जनता दरबार में राजस्व, भूमि विवाद, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, आवास योजना, शिक्षा, स्वास्थ्य, जन वितरण प्रणाली (आपूर्ति), स्थानीय प्रशासन सहित अन्य विभागों से जुड़ी समस्याओं की सुनवाई की जाएगी। संबंधित विभागों के पदाधिकारी मौके पर उपस्थित रहेंगे ताकि प्राप्त मामलों पर तुरंत संज्ञान लिया जा सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन की प्राथमिकता है कि जनता की शिकायतों पर समयबद्ध और प्रभावी कार्रवाई हो। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जनता दरबार में आए प्रत्येक मामले को गंभीरता से लें और निर्धारित समय सीमा के भीतर उसका निष्पादन सुनिश्चित करें। लापरवाही या अनावश्यक विलंब को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक शुभम आर्य ने भी जनता दरबार को प्रशासन और जनता के बीच विश्वास का सेतु बताया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था, भूमि विवाद से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और जनता दरबार के माध्यम से इन मामलों में त्वरित समन्वय स्थापित कर समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

जिलाधिकारी ने मीडिया के माध्यम से जिले के सभी नागरिकों से अपील की कि वे निर्धारित तिथि और समय पर जनता दरबार में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं को लिखित अथवा मौखिक रूप से प्रस्तुत करें और इस जनकल्याणकारी पहल का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि यह पहल केवल समस्याएं सुनने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनका स्थायी समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

प्रेस वार्ता के दौरान जिला जन संपर्क पदाधिकारी बक्सर सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारगण उपस्थित रहे। जिला प्रशासन की इस पहल को जिलेवासियों के लिए एक बड़ी राहत और सुशासन की दिशा में मजबूत कदम माना जा रहा है।

एक नजर

दहेज उत्पीड़न में विवाहिता की गला दबाकर हत्या, पति गिरफ्तार

नावानगर। स्थानीय थाना क्षेत्र के तुरांवखास गांव में एक विवाहिता की गला दबाकर हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मृतका की पहचान संजू देवी के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही नावानगर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बक्सर सदर अस्पताल भेज दिया। इस मामले को लेकर मृतका के पिता इटाढ़ी थाना क्षेत्र के बसंतपुर गांव निवासी भूना राम के बयान पर नावानगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राथमिकी में उन्होंने बेटी के पति, ससुर समेत कुल चार लोगों को नामजद आरोपी बनाया है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मुख्य आरोपी पति निरंजन राम को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मृतका के पिता भूना राम ने बताया कि मई 2021 में उन्होंने अपनी बेटी संजू देवी की शादी तुरांवखास गांव निवासी हरिनाथ राम के पुत्र निरंजन राम के साथ की थी। शादी के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग को लेकर संजू को लगातार प्रताड़ित करने लगे थे। कई बार समझाने-बुझाने के बावजूद ससुराल वालों का व्यवहार नहीं बदला। आरोप है कि इसी दहेज उत्पीड़न के चलते पति निरंजन राम, ससुर सहित चार लोगों ने मिलकर संजू देवी की गला दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद मृतका के मैके में कोहराम मच गया है। इस संबंध में नावानगर थानाध्यक्ष प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि मृतका के पिता के बयान के आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पति निरंजन राम को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

ट्यूशन पढ़ने जा रही छात्रा को अगवा कर गैंगरेप, तीन आरोपितों को हिरासत में ले पूछताछ कर रही पुलिस

नावानगर। सोनवर्षा थाना क्षेत्र के एक गांव में घर से ट्यूशन के लिए निकली एक छात्रा को अगवा कर तीन युवकों ने दुष्कर्म किया है। सामूहिक दुष्कर्म का मामला प्रकाश में आया है। मामले में पुलिस ने तीन युवकों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। साथ ही उनसे पुलिस पूछताछ में जुटी है। इधर घटना की सूचना पर डुमरांव एसडीपीओ पोलस्त कुमार घटनास्थल पर पहुंचे। इसके अलावा बक्सर महिला थानाध्यक्ष, नावानगर, सोनवर्षा थानाध्यक्ष एवं एफएसएल की टीम पहुंच मामले की जांच में जुट गई है।

घटना सुबह करीब 9 बजे की है। बताया जाता है कि प्रतिदिन छात्रा ट्यूशन पढ़ने अपने गांव से कड़सर जाती थी। घटना के दिन भी वह अपने चचेरे भाई के साथ अपने गांव से कड़सर जा रही थी। इसी बीच दंगौली पुल के पास बाइक सवार तीन युवकों ने छात्रा को जबरन बाइक पर बैठा कर नहर मार्ग से निकल पड़े। थोड़ी दूरी पर नहर किनारे बने झोपड़ी में ले जा कर दुष्कर्म का अंजाम दिया। इस सबंध में सोनवर्षा थानाध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

समुदाय की भागीदारी से सशक्त होंगे विद्यालय

- तीन दिवसीय प्रशिक्षण में शिक्षा समिति को मिली नई दिशा, विकास योजना पर हुआ मंथन

केटी न्यूज/चौगाई

स्थानीय प्रखंड के उच्च विद्यालय मुरार, चौगाईं एवं नचाप में आयोजित तीन दिवसीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को सफल समापन हुआ। यह प्रशिक्षण विद्यालय शिक्षा समिति के सदस्यों और सामुदायिक प्रतिनिधियों के लिए आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य विद्यालयों के समग्र विकास में समुदाय की सक्रिय भागीदारी को सुदृढ़ करना रहा। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा व्यवस्था को जमीनी स्तर पर मजबूत करने से जुड़े विविध पहलुओं पर गहन चर्चा की गई। प्रशिक्षण सत्रों में प्रशिक्षिका पूजा कुमारी ने विद्यालय विकास योजना (एसडीपी) के निर्माण, उसके प्रभावी क्रियान्वयन और दीर्घकालिक लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विद्यालय शिक्षा समिति केवल एक औपचारिक निकाय नहीं, बल्कि विद्यालय के भविष्य को दिशा देने वाली एक सशक्त संस्था है। समिति की सक्रियता से न केवल संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव होता है, बल्कि शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों के बीच बेहतर समन्वय भी स्थापित होता है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार का मार्ग प्रशस्त होता है। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को यह भी समझाया गया कि समुदाय की भागीदारी से विद्यालयों में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ती है। जब अभिभावक और स्थानीय प्रतिनिधि विद्यालय की गतिविधियों से सीधे जुड़ते हैं, तो बच्चों की उपस्थिति, सीखने की रुचि और शैक्षणिक परिणामों में सकारात्मक बदलाव देखने को मिलता है। प्रशिक्षण में व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से यह बताया गया कि किस प्रकार छोटी-छोटी पहलें विद्यालय के बड़े परिवर्तन का आधार बन सकती हैं। प्रशिक्षण के अंतिम सत्र में ह्यएक चिंगारी का दृष्टांतह्व सुनाकर प्रतिभागियों को प्रेरित किया गया। इस प्रेरक कथा के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि एक छोटी पहल भी बड़े सामाजिक बदलाव की शुरूआत कर सकती है। इसके पूर्व प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुरेश प्रसाद ने समिति के सदस्यों से अपील की कि वे विद्यालय विकास के प्रति सतत जागरूक रहें और सरकारी योजनाओं का लाभ बच्चों तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। समापन अवसर पर ह्यले मशालें चल पड़े हैं, लोग मेरे गांव केह्व अभियान गीत का सामूहिक गायन हुआ, जिससे उपस्थित प्रतिभागियों में उत्साह, प्रतिबद्धता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना और प्रबल हुई। इस अवसर पर विद्यालय शिक्षा समिति के अध्यक्ष, सचिव सहित छह सदस्य मौजूद रहे। वहीं शिक्षक पीर मोहम्मद, कैलाश प्रसाद, अशोक कुमार, सवेरा कुमारी, अखिलेश कुमार एवं अमित कुमार केसरी सहित अन्य शिक्षकों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

लोधास में शुरू हुआ फुटबॉल टूर्नामेंट, सदर विधायक ने किया उद्घाटन

- विधायक ने खेल को बताया चरित्र निर्माण और अनुशासन का सशक्त माध्यम, ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का संदेश

केटी न्यूज/बक्सर

इटाढ़ी प्रखंड अंतर्गत लोधास गांव में आयोजित भव्य फुटबॉल टूर्नामेंट शनिवार को युवाओं के उत्साह और खेल भावना का सजीव उदाहरण बन गया। इस बहुप्रतीक्षित खेल प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन सदर विधायक आनन्द मिश्र ने किया। उद्घाटन अवसर पर खेल मैदान में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, युवा एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे, जिससे पूरा माहौल उत्साह और उमंग से सराबोर दिखा। उद्घाटन के पश्चात सदर विधायक आनन्द मिश्र ने मैदान में उतरकर खिलाड़ियों से

परिचय प्राप्त किया और उनका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने सभी टीमों एवं खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दीं। अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि खेल केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह युवाओं के सर्वांगीण विकास का मजबूत आधार है। खेल के माध्यम से अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास जैसे गुण विकसित होते हैं, जो जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में खेलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को यदि उचित मंच और प्रोत्साहन मिले, तो वे जिला, प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे टूर्नामेंट ग्रामीण इलाकों में खेल संस्कृति को मजबूत करते हैं और युवाओं को नशा व नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रखते हैं।इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुनीत सिंह भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में पूर्व मुखिया (जयपुर) राजेंद्र सिंह उर्फ विंध्याचल सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष इटाढ़ी विनोद सिंह उर्फ मुन्नू सिंह, गोविंद सिंह पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा उनवास, अशोक राम जिला परिषद सदस्य एवं भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष, दयाशंकर तिवारी (विक्रम इंग्लिश पंचायत), परमा यादव (जिला परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि, बक्सर), सुनील सिंह (किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष), सुनील कुमार सिंह (प्रदेश कार्य समिति सदस्य), रजनीकांत गुप्ता (उन्नाव मंडल अध्यक्ष), मार्कण्डेय पाठक (इटाढ़ी नगर उपाध्यक्ष), सुरेश सिंह, मिठाई सिंह, भोला जी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं भाजपा नेता मौजूद रहे। मैच देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन तालियों और नारों के साथ किया। अंत में आयोजकों द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का समापन सौहार्दपूर्ण वातावरण में धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

डुमरांव के महारानी उषारानी बालिका उच्च विद्यालय में छात्राओं को मिला अधिकारों और कर्तव्यों का ज्ञान

- संविधान की पाठशाला में जागरूकता की अलख

केटी न्यूज/डुमरांव

भारतीय संविधान को केवल किताबों तक सीमित न रखते हुए उसे जीवन से जोड़ने की पहल डुमरांव स्थित महारानी उषारानी बालिका उच्च विद्यालय में देखने को मिली। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बक्सर के मार्गदर्शन में आयोजित विशेष जागरूकता शिविर में छात्राओं को संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य और शिक्षा के अधिकार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सरल और रोचक ढंग से जानकारी दी गई। शिविर का उद्देश्य छात्राओं में संवैधानिक चेतना विकसित करना और उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करना रहा। शिविर में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष,

जिला विधिक सेवा प्राधिकार काजल झाब के मार्गदर्शन में अवर न्यायाधीश सह सचिव नेहा दयाल की पहल पर पैनल अधिवक्ता मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं पीएलवी अनिशा भारती ने छात्राओं से संवाद किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य सचिन्द्र कुमार तिवारी ने की, जबकि संचालन सुनील कुमार ने किया। इस अवसर पर शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय कर्मियों की सक्रिय सहभागिता रही।

प्रस्तावना, संविधान का परिचय-पत्र

पैनल अधिवक्ता मनोज कुमार श्रीवास्तव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि संविधान की प्रस्तावना को ह्लसंविधान का परिचय-पत्रह्व कहा जाता है। उन्होंने प्रसिद्ध संविधान विशेषज्ञ नानी पालकीवाला का उल्लेख करते हुए समझाया कि प्रस्तावना न्याय, स्वतंत्रता और समानता जैसे मूल मूल्यों की गारंटी देती है और लोकतंत्र की आत्मा को दर्शाती है। छात्राओं ने उदाहरणों के माध्यम से जाना कि ये मूल्य उनके दैनिक जीवन से कैसे जुड़े हैं।

कर्तव्य और अधिकाररू संतुलन की सीख

मौलिक कर्तव्यों पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि ये नागरिकों में देशभक्ति की भावना विकसित करते हैं और राष्ट्रीय चेतना को मजबूत बनाते हैं। मौलिक कर्तव्य मौलिक अधिकारों के पूरक हैं। 42वें संविधान संशोधन के तहत कर्तव्यों को जोड़े जाने और अनुच्छेद 51(क) के अंतर्गत 11 मौलिक कर्तव्यों की जानकारी ने छात्राओं की जिज्ञासा को और बढ़ाया।

शिक्षा का अधिकाररू भविष्य की नींव

शिविर का सबसे आकर्षक हिस्सा शिक्षा के अधिकार पर केंद्रित रहा। अधिवक्ता श्रीवास्तव ने सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक उन्नीकृष्णन मामले से लेकर 86वें संविधान संशोधन और अनुच्छेद 21ए के समावेशन तक की यात्रा को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने बताया कि 6 से 14 वर्ष के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार लोकतंत्र को मजबूत करने की आधारशिला है।

आरटीई अधिनियम की व्यावहारिक जानकारी

पीएलवी अनिशा भारती ने 2009 के शिक्षा का अधिकार अधिनियम के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने निजी ट्यूशन पर रोक, बिना मान्यता प्राप्त विद्यालयों की मनाही, प्रवेश में स्क्रीनिंग प्रक्रिया, प्रति व्यक्ति शुल्क तथा मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न पर प्रतिबंध जैसे प्रावधानों को उदाहरणों के साथ समझाया।

कार्यक्रम के अंत में छात्राओं ने सवाल पूछे और अपने अधिकारों व कर्तव्यों को लेकर नई समझ विकसित की। यह शिविर न सिर्फ जानकारी देने वाला रहा, बल्कि छात्राओं के भीतर आत्मविश्वास और संवैधानिक जिम्मेदारी की भावना भी जगाता नजर आया।

Mob: 9122226720
कुमार आर्थोपेडिक्स क्लिनिक
सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, बेदवानी मोड़, डुमराँव
डा. बिरेन्द्र कुमार
आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डा. एस.के. अम्बष्ठ
M.B.B.S (MKCC, ODISHA)
MD (Derma & Cosmetology),
KMC Manipal (Gold Medalist)
चर्म रोग, कुष्ट रोग, गुप्त रोग, सौंदर्य विशेषज्ञ
प्रत्येक मंगलवार
डा. अरूण कुमार
जेनरल एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन
(M.B.B.S, D.NB. (New Delhi)
पेट रोग विशेषज्ञ
प्रत्येक गुरूवार

जीएनएम प्रशिक्षण संस्थान में दीप प्रज्वलन, शपथ ग्रहण एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

- सत्र 2025-28 के छात्र-छात्राओं को दिलाई गई सेवा, अनुशासन और मानवता की शपथ

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर स्थित सामान्य नर्सिंग एवं दाई प्रशिक्षण संस्थान जीएनएम प्रशिक्षण संस्थान में सत्र 2025-28 के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए दीप प्रज्वलन, शपथ ग्रहण एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नर्सिंग शिक्षा की गरिमा को रेखांकित करना, विद्यार्थियों में सेवा-भाव जागृत करना तथा मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन करना रहा। समारोह की शुरूआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जो ज्ञान, सेवा और करुणा का प्रतीक है। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं को नर्सिंग सेवा से जुड़ी शपथ दिलाई गई, जिसमें मानवता की सेवा, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का पालन करने का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि नर्सिंग केवल एक आजीविका नहीं, बल्कि पीड़ित मानवता की सेवा का पवित्र माध्यम है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ह्वविकसित भारतह्व के लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर है। वहीं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं का सशक्तिकरण, चिकित्सा ढांचे का विस्तार तथा युवाओं के कौशल विकास के लिए लगातार ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। नर्सिंग जैसे क्षेत्र में प्रशिक्षित युवाओं की भूमिका इस लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। समारोह के दौरान संस्थान के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इससे विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ-साथ बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली। साथ ही छात्रों द्वारा संस्थान एवं स्थानीय स्तर से जुड़ी कुछ समस्याओं को भी सामने रखा गया, जिनके शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से समन्वय करने का आश्वासन दिया गया। यह कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश भुवन की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उप विकास आयुक्त निहारिका छवि की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने छात्र-छात्राओं को निष्ठा, संवेदनशीलता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों के निर्वहन का संदेश दिया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य मोहम्मद आफताब आलम, प्रवक्ता झब्बू राम, भाजपा उपाध्यक्ष पुनीत सिंह, जिला महामंत्री लक्ष्मण शर्मा, वरिष्ठ नेता मिठाई सिंह, विनय उपाध्याय, अक्षय ओझा सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र निर्माण और जनसेवा में नर्सिंग विद्यार्थियों की अहम भूमिका के संदेश के साथ हुआ।

एक नजर

एनएच-922 पर बढ़ती दुर्घटनाओं के खिलाफ भाजपा नेता दीपक ने एसडीपीओ को सौंपा मांग पत्र

डुमरांव। पटना-बक्सर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-922 के प्रताप सागर-चिलहरी मुख्य मार्ग पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं ने क्षेत्र में दहशत का माहौल बना दिया है। इसी गंभीर समस्या को लेकर भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश सह-संयोजक एवं युवा भाजपा नेता दीपक यादव ने डुमरांव अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को एक मांग पत्र सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

हाल ही में इसी मार्ग पर अज्ञात वाहन की चपेट में आकर चौगाई निवासी एक निर्दोष व्यक्ति की मौत ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। घटना के बाद वाहन चालक का फरार हो जाना न सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही, बल्कि इस मार्ग पर अनियंत्रित रफ्तार और अव्यवस्था का भी प्रतीक माना जा रहा है। दीपक यादव ने कहा कि यह मार्ग केवल एक सड़क नहीं, बल्कि लगभग 50 गांवों को फोर लेन से जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क पथ है। इसी मार्ग पर जिले का प्रसिद्ध टी.बी. अस्पताल मेथोडिस्ट अस्पताल स्थित है, जहां बिहार सहित अन्य राज्यों से भी मरीज इलाज के लिए आते हैं। रोजाना हजारों ग्रामीण, छात्र, मजदूर, व्यापारी, मरीज और एम्बुलेंस इसी सड़क से गुजरते हैं, लेकिन सुरक्षा के नाम पर यहां कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि फोर लेन निर्माण के बाद वाहनों की गति कई गुना बढ़ गई है, लेकिन न तो स्पीड ब्रेकर लगाए गए हैं, न चेतावनी बोर्ड, न स्ट्रीट लाइट और न ही सुरक्षित पैदल पार-पथ की सुविधा। नतीजतन यह मार्ग धीरे-धीरे ह्मौत का रास्ताह्व बनता जा रहा है। मांग पत्र में दीपक यादव ने स्पीड ब्रेकर निर्माण, बड़े चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टिव साइनेंज, स्ट्रीट लाइट, ट्रैफिक पुलिस की नियमित तैनाती, तेज रफ्तार वाहनों पर सख्त कार्रवाई तथा अस्पताल और गांवों के पास सुरक्षित पैदल पार-पथ की मांग की है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि अब भी ठोस कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में होने वाली हर दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी प्रशासन और संबंधित विभागों की होगी। विकास तभी मायने रखता है, जब वह मानव जीवन को सुरक्षित बनाए।

वन स्टॉप सेंटर बक्सर में रिक्त पदों पर नियोजन की प्रक्रिया तेज, स्वीकृत-अस्वीकृत अभ्यर्थियों की सूची जारी

बक्सर। मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत संचालित वन स्टॉप सेंटर, बक्सर में रिक्त पदों पर नियोजन की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, आईसीडीएस बक्सर से प्राप्त जानकारी के अनुसार विज्ञापन संख्या-02/2024 के तहत सुयोग्य अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे। प्राप्त आवेदनों की स्क्रूटनी स्क्रूटनी कमिटी द्वारा पूरी कर ली गई है। इसके उपरांत स्वीकृत एवं अस्वीकृत अभ्यर्थियों की सूची 17 जनवरी को एनआईसी बक्सर की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है।

जिन अभ्यर्थियों को प्रकाशित सूची के आलोक में किसी प्रकार का दावा अथवा आपत्ति है, वे दिनांक 17 जनवरी से 20 जनवरी तक महिला एवं बाल विकास निगम, बक्सर के ई-मेल आईडी पर अपना दावा/आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

स्वीकृत अभ्यर्थियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने आवेदन के साथ संलग्न सभी मूल प्रमाण-पत्रों एवं उनकी एक स्व-अभिप्रमाणित छायाप्रति के साथ 22 जनवरी को पूर्वाह्न 11 बजे जिला समाहरणालय स्थित सभा कक्ष, बक्सर में आयोजित काउंसलिंग में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। वहीं अस्वीकृत अभ्यर्थियों को भी अपने सभी मूल प्रमाण-पत्रों के साथ दावा/आपत्ति निराकरण हेतु काउंसलिंग में उपस्थित होने का अवसर दिया जाएगा।

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर काउंसलिंग में अनुपस्थित रहने वाले अभ्यर्थियों के आवेदन पर किसी भी स्थिति में विचार नहीं किया जाएगा। ऐसे में सभी संबंधित अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि वे समय का विशेष ध्यान रखते हुए आवश्यक दस्तावेजों के साथ काउंसलिंग में भाग लें, ताकि नियोजन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुचारू रूप से पूर्ण किया जा सके।

प्रबंधक के बयान पर दर्ज कराया गया है एफआईआर

अनुमंडल अस्पताल में उपद्रव व तोड़फोड़ मामले में 10-15 अज्ञात उपद्रवियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

- वायरल वीडियो के आधार पर तोड़फोड़ कांड में आधा दर्जन उपद्रवी चिन्हित, गिरफ्तारी की उलटी गिनती शुरू

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव अनुमंडल अस्पताल में हुई उग्र तोड़फोड़ की घटना को लेकर अस्पताल प्रबंधक अफरोज आलम के बयान पर 10-15 अज्ञात उपद्रवियों के खिलाफ डुमरांव थाने में एफआईआर दर्ज कराया गया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने सख्त रुख अपना लिया है। अस्पताल परिसर में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले इस कांड में अब तक आधा दर्जन से अधिक उपद्रवियों की पहचान कर ली गई है। वायरल वीडियो, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

पुलिस ने साफ कर दिया है कि यह केवल तोड़फोड़ का मामला नहीं, बल्कि सरकारी कार्य में बाधा और स्वास्थ्य सेवाओं पर सीधा हमला है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

क्या है पूरा मामला

बता दें कि शुक्रवार की शाम करीब चार बजे सड़क दुर्घटना में घायल करण दुबे और भोला दुबे को इलाज के लिए डुमरांव अनुमंडल अस्पताल लाया गया था। प्राथमिक उपचार के बाद करण दुबे की हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। लेकिन उसी वक्त अस्पताल की सभी एंबुलेंस अन्य मरीजों की सेवा में व्यस्त थीं, जिस कारण एंबुलेंस मिलने में कुछ देरी हो गई।

इसी देरी को लेकर घायल के परिजन और ग्रामीण भड़क उठे। देखते ही देखते 10-15 लोगों की भीड़ अस्पताल परिसर में इकट्ठा हो गई और आक्रोश हिंसा में बदल गया। आरोप है कि उपद्रवियों ने अस्पताल के तीन गेट तोड़ दिए, स्ट्रेचर क्षतिग्रस्त कर दिया और सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया।

डॉक्टरों और कर्मियों पर हमला करने की कोशिश

अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, उग्र भीड़ ने डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को मारपीट के इरादे से ढूंढना शुरू कर दिया। हालात इतने बिगड़ गए कि कई डॉक्टर और कर्मी अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर छिप गए। प्रभारी डीएस को भी एसडीएम कक्ष में शरण लेनी पड़ी। ड्यूटी पर तैनात बिहार होमगार्ड के जवान के साथ बदसलूकी की गई, कॉलर पकड़कर धक्का दिया गया। वायरल वीडियो में उपद्रवी न सिर्फ अस्पताल को फूंकने की धमकी देते नजर आ रहे हैं, बल्कि डॉक्टरों का नाम लेकर उन्हें डराने की कोशिश भी की गई।

पुलिस की कार्रवाई तेज

डुमरांव थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त संपत्तियों का आकलन किया है। प्राथमिकी में सरकारी कार्य में बाधा, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, ड्यूटी पर तैनात जवान से बदसलूकी जैसी गंभीर धाराएं जोड़ी गई हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, चिन्हित उपद्रवियों के अलावा अन्य आरोपियों की पहचान के लिए टावर डंपिंग और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है।

दुर्घटना की पृष्ठभूमि

बताया जा रहा है कि बड़का ढकाईच गांव निवासी करण दुबे अपने साथियों के साथ बाइक से लौट रहे थे। चौकियां गांव के पास एक ट्रक की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घायलों को तुरंत अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां से करण दुबे को रेफर किया गया था।

डॉक्टरों में डर, आंदोलन की चेतावनी

घटना के बाद अस्पताल के डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों में भय का माहौल है। उनका कहना है कि यदि अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था नहीं बढ़ाई गई तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। डॉक्टरों का तर्क है कि सीमित संसाधनों और भारी दबाव के बावजूद वे लगातार मरीजों की सेवा कर रहे हैं, ऐसे में उनके साथ हिंसा बेहद चिंताजनक है।

प्रशासन का संदेश साफ

पुलिस प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि अस्पताल की सुरक्षा तत्काल बढ़ाई जाएगी और दोषियों को जल्द सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। साथ ही आम लोगों से अपील की गई है कि आपात स्थिति में संयम बरतें और कानून को हाथ में न लें। प्रशासन का स्पष्ट संदेश है, सरकारी अस्पताल और स्वास्थ्यकर्मियों पर हमला किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मोहरिया गांव में आग का कहर : मिनटों में उजड़े दो परिवार, प्रशासनिक लापरवाही पर उठे सवाल

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर प्रखंड की रसेन पंचायत अंतर्गत मोहरिया गांव में शनिवार दोपहर अचानक लगी आग ने दो परिवारों की वर्षों की मेहनत को पल भर में राख में तब्दील कर दिया। स्थानीय निवासी टुनटुन शाह और विनोद शाह के फूसनुमा घरों में लगी आग इतनी तेजी से फैली कि लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

आग की लपटों में घर में रखा अनाज, कपड़े, लकड़ी का फर्नीचर, पशु चारा और दैनिक उपयोग की तमाम सामग्री जलकर खाक हो गई। सबसे भयावह स्थिति यह रही कि अग्निशमन की कोई त्वरित व्यवस्था मौके पर मौजूद नहीं थी। मजबूरन ग्रामीणों ने बाल्टी, बर्तन और हैंडपंप के सहारे घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे आने को मजबूर हो गए।

घटना की सूचना धनसोई थाना और राजपुर अंचल कार्यालय को दी गई, परंतु देर से पहुंची प्रशासनिक प्रतिक्रिया ने ग्रामीणों में आक्रोश पैदा कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि हर साल गर्मी के मौसम में ऐसी घटनाएं होती हैं, फिर भी अग्निशमन व्यवस्था और आपदा प्रबंधन को लेकर प्रशासन पूरी तरह उदासीन बना रहता है।

ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रशासन से पीड़ित परिवारों को तत्काल राहत सामग्री, आवासीय सहायता और उचित मुआवजा देने की मांग की है। साथ ही उन्होंने भविष्य में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए गांव स्तर पर अग्निशमन संसाधन उपलब्ध कराने की भी पुरजोर मांग उठाई है।

यह हादसा सिर्फ आगजनी नहीं, बल्कि ग्रामीण आपदा प्रबंधन की कमजोर कड़ी को उजागर करने वाला गंभीर संकेत है।

जनता के बीच पहुंचे सदर विधायक, समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर के जासो रोड स्थित कमल सेवा केंद्र पर आयोजित जन-सुनवाई कार्यक्रम एक बार फिर लोकतंत्र के जीवंत स्वरूप का साक्षी बना। इस अवसर पर सदर विधायक आनंद मिश्र ने क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों, सामाजिक प्रतिनिधियों और आम लोगों से आत्मीय संवाद स्थापित करते हुए उनकी समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। कार्यक्रम का माहौल पूरी तरह संवादात्मक रहा, जहां हर वर्ग के लोगों को अपनी बात रखने का अवसर मिला।

समस्याओं पर गंभीरता समाधान पर जोर

जन-सुनवाई के दौरान लोगों ने बिजली, सड़क, नाली, पेयजल, राशन, आवास योजना सहित विभिन्न जनहित से जुड़ी समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। सदर विधायक आनंद मिश्र ने प्रत्येक शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट शब्दों में कहा कि जनता की समस्याओं में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्रधानमंत्री के संकल्प को धरातल पर उतारने का प्रयास

इस अवसर पर विधायक आनंद मिश्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्पष्ट सपना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उसी संकल्प के साथ वे लगातार जनता के बीच उपस्थित होकर उनकी समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जन-सुनवाई केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनता के साथ निरंतर संवाद और विश्वास का माध्यम है।

बक्सर धाम के सर्वांगीण विकास का संकल्प

विधायक ने कहा कि बक्सर धाम का सर्वांगीण विकास, बेहतर बुनियादी सुविधाएं और नागरिकों की खुशहाली उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि आने वाले समय में बक्सर विकास की नई पहचान बने।

भाजपा कार्यकर्ताओं की सशक्त उपस्थिति

कार्यक्रम में भाजपा संगठन की मजबूत उपस्थिति भी देखने को मिली। इस मौके पर भाजपा उपाध्यक्ष पुनीत सिंह, जिला महामंत्री लक्ष्मण शर्मा, पूर्वी मंडल अध्यक्ष ज्वाला सैनी, महामंत्री रोहित मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता मिठाई सिंह, विनय उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी ने जन-सुनवाई को जनता और जनप्रतिनिधि के बीच भरोसे का सेतु बताया।

जनता ने जताया भरोसा

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित नागरिकों ने जन-सुनवाई पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से उन्हें अपनी समस्याएं सीधे जनप्रतिनिधि तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। कुल मिलाकर, यह जन-सुनवाई बक्सर में संवेदनशील और सक्रिय जनसेवा का एक प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आई।

स्वास्थ्य जागरूकता की मिसाल बना चौसा सीएचसी का परिवार नियोजन शिविर, 18 लाभार्थियों को मिला सुरक्षित भविष्य का भरोसा

केटी न्यूज/चौसा

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती समझ और जिम्मेदारी का सशक्त उदाहरण शनिवार को उस समय देखने को मिला, जब चौसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में आयोजित परिवार नियोजन शिविर में 18 लाभार्थियों ने स्वेच्छा से सुरक्षित बंध्याकरण का लाभ लिया। इस शिविर में 17 महिलाओं और एक पुरुष ने सहभागिता कर यह संदेश दिया कि परिवार नियोजन केवल महिलाओं की ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार की साझा जिम्मेदारी है। शिविर का आयोजन पूरी तरह से सरकारी दिशा-निर्देशों और चिकित्सकीय मानकों के अनुरूप किया गया। ऑपरेशन से पूर्व सभी लाभार्थियों

की आवश्यक स्वास्थ्य जांच, काउंसलिंग और परामर्श सुनिश्चित किया गया, ताकि किसी भी प्रकार का जोखिम न रहे। इसके पश्चात अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा सुरक्षित ढंग से नसबंदी की प्रक्रिया संपन्न कराई गई। कार्यक्रम प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंद्रमणि विमल ने बताया कि इस तरह के शिविरों का उद्देश्य केवल जनसंख्या नियंत्रण नहीं, बल्कि ह्वछोटा परिवार, सुखी परिवारह्व की सोच को व्यवहार में उतारना है। उन्होंने कहा कि सीमित परिवार से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य बेहतर होता है, साथ ही परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति भी मजबूत होती है। ऑपरेशन के बाद सभी महिला लाभार्थियों को आवश्यक दवाएं, पौष्टिक आहार और सरकार द्वारा निर्धारित प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई, जबकि पुरुष लाभार्थी को भी नियमानुसार प्रोत्साहन दिया गया। स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा ऑपरेशन के बाद की सावधानियों की भी विस्तृत जानकारी दी गई। डॉ. विमल ने कहा कि ग्रामीण समाज में परिवार नियोजन को लेकर बढ़ती भागीदारी सकारात्मक बदलाव का संकेत है। सीएचसी चौसा भविष्य में भी ऐसे जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करता रहेगा, ताकि अधिक से अधिक परिवार स्वस्थ, संतुलित और सुरक्षित जीवन की ओर कदम बढ़ा सकें।

अधिकारियों की गैरमौजूदगी ने जनता दरबार की व्यवस्था पर उठाए सवाल

केटी न्यूज/चौसा

प्रखंड स्तर पर आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से आयोजित होने वाला जनता दरबार शनिवार को चौसा अंचल कार्यालय परिसर में नहीं लग सका। अधिकारियों की अनुपस्थिति के कारण दरबार स्थगित रहा, जिससे दूर-दराज के गांवों से आए फरियादियों को निराशा हाथ लगी और उन्हें बिना काम बने ही लौटना पड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार चौसा अंचलाधिकारी (सीओ) एवं राजस्व अधिकारी (आरओ) जिला मुख्यालय में आयोजित एक आवश्यक बैठक में शामिल होने के कारण कार्यालय में उपस्थित नहीं हो सके। इसके चलते पूर्व निर्धारित जनता दरबार का आयोजन नहीं हो पाया। उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताह जनता दरबार में प्राप्त तीन

आवेदनों पर इसी शनिवार को सुनवाई प्रस्तावित थी। इसी उम्मीद में चौसा, चुन्नी, बनारपुर, अखौरीपुर गोला समेत आसपास के कई गांवों से नए और पुराने फरियादी अंचल कार्यालय पहुंचे थे। काफी देर तक इंतजार के बाद जब कोई अधिकारी नहीं आया, तब लोगों को जनता दरबार के स्थगित होने की सूचना मिली। फरियादियों का कहना है कि वे अपनी रोजमर्रा की मजदूरी और अन्य जरूरी काम छोड़कर न्याय की आस में पहुंचे थे, लेकिन बिना किसी पूर्व सूचना के दरबार का न लगना उनके लिए आर्थिक और मानसिक परेशानी का कारण बना। स्थानीय लोगों का मानना है कि जनता दरबार जैसी जनहितकारी व्यवस्था तभी प्रभावी हो सकती है, जब इसके आयोजन में नियमितता और पारदर्शिता बरती जाए। फरियादियों ने प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में यदि जनता दरबार स्थगित हो, तो इसकी पूर्व सूचना सार्वजनिक रूप से जारी की जाए, ताकि आम लोगों को अनावश्यक परेशानी न झेलनी पड़े।

अब मुंबई नहीं, बिहार बनेगा फिल्मी हॉटस्पॉट : गूंजेगा लाइट..कैमरा.. एक्शन!

■ 40 फिल्मों की शूटिंग को मिली मंजूरी

एजेंसी। पटना

बिहार अब सिर्फ भोजपुरी या क्षेत्रीय सिनेमा तक सीमित नहीं रह गया है। राज्य की बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति ने इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फिल्म मानचित्र पर एक नई पहचान दी है। इस नीति के तहत अब तक लगभग 40 फिल्मों को शूटिंग की अनुमति दी जा चुकी है, जिनमें से 33 फिल्मों का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। यह आंकड़ा साफ तौर पर यह दिखाता है कि फिल्म निमार्ताओं का भरोसा बिहार पर लगातार बढ़ रहा है और राज्य अब फिल्म निमार्ताओं के लिए एक फिल्म फ्रेंडली डेस्टिनेशन बन चुका है। पटना से लेकर राजगीर तक बिहार के शहर अब फिल्मों की शूटिंग के लिए नई पहचान बना रहे हैं। राजगीर की पहाड़ियां, नालंदा का ऐतिहासिक गौरव, गया के धार्मिक स्थल, भागलपुर की प्राकृतिक खूबसूरती और मोतिहारी की साहित्यिक विरासत फिल्मकारों को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। इन लोकेशनों ने न केवल फिल्मों को एक अलग विजुअल सीन दिया है, बल्कि बिहार की छवि को देश-दुनिया में नई ऊंचाई दी है। राज्य में अब केवल भोजपुरी और मगही फिल्मों की शूटिंग नहीं हो रही, बल्कि हिंदी और अंग्रेजी फिल्मों के प्रोजेक्ट्स भी तेजी से बढ़ रहे हैं। यह बदलाव यह साबित करता है कि बिहार का सिनेमा अब क्षेत्रीय सीमाओं को तोड़कर राष्ट्रीय और वैश्विक मंच की ओर बढ़ चुका है। बिहार फिल्म प्रोत्साहन नीति ने फिल्म निमार्ताओं के लिए परमिट प्रक्रिया को आसान बनाकर एक भरोसेमंद और सहज माहौल तैयार किया है। फिल्म शूटिंग से राज्य के स्थानीय कारोबार को भी नया जीवन मिल रहा है। होटल, कैटरिंग, ट्रांसपोर्ट, लाइटिंग, सेट डिजाइन और लोकल टेक्नीशियन जैसे क्षेत्रों को फिल्म शूटिंग से बड़ा लाभ मिल रहा है। शूटिंग के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को काम मिल रहा है, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इस तरह सिनेमा अब सिर्फ कला का माध्यम नहीं रह गया, बल्कि बिहार के लिए आर्थिक विकास का एक मजबूत इंजन बनता जा रहा है। राज्य सरकार ने फिल्म उद्योग में तकनीकी कौशल विकास पर भी जोर दिया है। बिहार राज्य फिल्म विकास निगम द्वारा आयोजित वर्कशॉप और मास्टर क्लासेस के माध्यम से युवाओं को कैमरा ऑपरेशन, साउंड रिकॉर्डिंग, एडिटिंग और फिल्म प्रोडक्शन की बारीकियां सिखाई जा रही हैं। इसका उद्देश्य यह है कि स्थानीय युवा बाहर जाने की बजाय अपने ही राज्य में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकें। इससे बिहार में फिल्म उद्योग के लिए स्थायी और कुशल कार्यबल तैयार होगा। कला एवं संस्कृति विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने बिहार को उभरता हुआ फिल्म हब बताते हुए मार्च-अप्रैल में मुंबई में बड़े फिल्म निमार्ताओं और निर्देशकों के साथ विशेष बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया है। इसका मकसद बिहार को एक मजबूत फिल्म डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना और अधिक से अधिक प्रोजेक्ट्स को राज्य में आकर्षित करना है।

एक नजर

गरीब परिवारों की छतों पर मुफ्त में लगेगी सोलर पैनल : ईएसई

सासाराम। विद्युत आपूर्ति अंचल सासाराम के गरीब परिवारों के लिए राज्य सरकार द्वारा महत्वकांक्षी योजना चलायी जा रही है। जो बीपीएल विद्युत उपभोक्ताओं के लिए है। विद्युत अधीक्षण अभियंता सासाराम इंद्रदेव कुमार ने बताया की वैसे बीपीएल परिवार जिनके पास अपना छत का घर है और जो पहले आवेदन समर्पित करेंगे उनके यहां पहले सोलर प्लेट मुफ्त मे लगाया जायेगा। आगे बताया गया की आवेदक को सुविधा एप्प के माध्यम से आवेदन करना होगा। सुविधा एप्प मे "सोलर रूफ टॉप के लिए सहमति चयन करने के उपरांत आवेदक को सहमति देना है की मेरे घर के छत पर सोलर प्लेट लगाने में मैं सहमत हूं तथा रूफ टॉप सोलर को ठीक ठाक से रख रखाव करेंगे। बता दें की इस योजना का लाभ लेना बहुत ही आसान है। यदि उपभोक्ता को ऑनलाइन आवेदन करने मे किसी प्रकार का दिक्कत है तो सम्बंधित प्रमंडल कार्यालय के सुविधा काउंटर पर आकर आवेदन समर्पित करा सकते हैं इसके लिए बिजली का बिल और मोबाइल नंबर लेकर आना है। सुविधा काउन्टर पर यह व्यवस्था बिल्कुल ही मुफ्त है। दोनों जिले रोहतास और कैमूर जिले के कुटीर ज्योति श्रेणी के उपभोक्ताओं जो साधारण भाषा में गरीबी रेखा वाले लोग विद्युत कनेक्शन हेतु जल्द से जल्द ऑनलाइन आवेदन कर राज्य सरकार की इस योजना का लाभ उठायें। जो डीएस श्रेणी के उपभोक्ता हैं उनके लिए पीएम सूर्य घर मुफ्त योजना पूर्व से कार्यरत है।

ट्रैफिक नियम पालन अभियान चला पुलिस ने लोगों को गुलाब दे किया जागरूक

दिनारा । थाना क्षेत्र के आरा-मोहनिया एनएच-319 मुख्य मार्ग पर दिनारा थाना क्षेत्र अंतर्गत चितांव टोल प्लाजा के समीप दिनारा पुलिस द्वारा विशेष ट्रैफिक जागरूकता अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व प्रशिक्षु डीएसपी सह थानाध्यक्ष समीर कुमार सिंह ने किया। अभियान के दौरान सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया । ट्रैफिक नियमों का पालन कर रहे करीब सैकड़ों वाहन चालकों को पुलिस अधिकारियों द्वारा गुलाब का फूल भेंट कर सम्मानित किया गया,जिससे लोगों में नियमों के प्रति सकारात्मक संदेश गया। वहीं बिना हेलमेट पहनकर बाइक चला रहे लगभग 40 चालकों को रोककर उन्हें ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी गई और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हेलमेट भी प्रदान किया गया। अधिकारियों ने बताया कि हेलमेट न केवल नियम है,बल्कि जीवन रक्षा का महत्वपूर्ण साधन भी है। इस मौके पर पुलिस निरीक्षक विनय कुमार, एसआई अमित कुमार, पुलिस पदाधिकारी,पुलिस कर्मी एवं कई लोग मौजूद रहे। पुलिस के इस सराहनीय पहल की आमजन ने जमकर प्रशंसा की । दिनारा पुलिस ने लोगों से अपील की कि वे हमेशा ट्रैफिक नियमों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा को अपनी प्राथमिकता बनाएं, इसकी जानकारी पुलिस निरीक्षक विनय कुमार ने दी।

गया में रंगदारी केस में बड़ा खुलासा डॉक्टर खुद निकला साजिशकर्ता

पटना। बिहार के गया जिले में एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने के मामले में पुलिस जांच के दौरान चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने वाले मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल के न्यूरो सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. सत्येंद्र कुमार समेत तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। दो आरोपियों को मुंबई से गिरफ्तार किया गया है, जबकि डॉ. सत्येंद्र कुमार से गया में पूछताछ की जा रही है। यह मामला इसलिए सुर्खियों में आया था क्योंकि रंगदारी मांगने वाले कॉल मुंबई और कोलकाता से किए गए थे। कॉल करने वाले ने डॉक्टर को धमकी दी थी कि यदि एक करोड़ रुपये नहीं दिए गए तो उनकी पत्नी की जान खतरे में पड़ जाएगी। इस धमकी के बाद गया पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी हरकत में आए और मामले की उच्चस्तरीय जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया। पुलिस जांच में डॉ. सत्येंद्र कुमार की भूमिका संदिग्ध पाई गई, जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रंगदारी की साजिश में डॉक्टर स्वयं और अन्य लोग शामिल थे। इस मामले में अब तक तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है और आगे की जांच जारी है। डॉ. सत्येंद्र कुमार मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में न्यूरो सर्जरी विभाग के अध्यक्ष हैं और गया जिले के इमामगंज थाना क्षेत्र के बहेता गांव के निवासी हैं। बताया जा रहा है कि उनकी पत्नी विभा कुमारी के मोबाइल पर 27 दिसंबर और 31 दिसंबर को धमकी भरे फोन आए थे, जिनमें एक करोड़ रुपये की मांग की गई थी। इसके बाद 7 जनवरी को डॉ. सत्येंद्र कुमार ने मगध मेडिकल थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। अब जांच में यह सवाल उठ रहा है कि डॉक्टर ने इस तरह की साजिश क्यों रची, रंगदारी की रकम किस उद्देश्य से मांगी जा रही थी और इसमें और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस इन सभी बिंदुओं पर गहन छानबीन कर रही है। डॉक्टर को हिरासत में लिए जाने के बाद मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भी हड़-कंप मच गया है। इस संबंध में मगध मेडिकल थानाध्यक्ष कृष्णा कुमार ने बताया कि डॉ. सत्येंद्र कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी पुलिस के वरीय अधिकारी जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से साझा करेंगे।

दुर्गम इलाकों में सशक्त तरीके से होगी चौकसी

सुपर ड्रोन के जरिए अपराधियों पर नकेल कसेगी बिहार पुलिस, सरकार ने दी मंजूरी

एजेंसी। पटना

अब राज्य की पुलिस आधुनिक तकनीक वाले उच्च क्षमता के ड्रोन से लैस होगी। सभी पुलिस जिलों में एक-एक ड्रोन दिए जाएंगे और एसटीएफ को खासतौर से हाई क्वालिटी के 10 ड्रोन मुहैया कराए जाएंगे। इस तरह करीब 50 ड्रोन की खरीद इस वर्ष मार्च तक कर ली जाएगी। ड्रोन खरीदने के इस प्रस्ताव पर 14 जनवरी को केंद्रीय गृह मंत्रालय में हुई हाई पॉवर कमेटी की बैठक में मंजूरी मिल गई है। इन पर करीब 25 करोड़ रुपये की लागत आने की संभावना है। यह जानकारी एडीजी (आधुनिकीकरण) सुधांशु कुमार ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन स्थित सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। एडीजी ने कहा कि जिलों को दिए जाने वाले ड्रोन की क्षमता 45 मिनट तक हवा में उड़ने की होगी। ये ड्रोन भीड़ नियंत्रण में मददगार साबित होने के साथ ही पुलिसिंग के अन्य आयामों के प्रबंधन में भी बेहद कारगर साबित होंगे। इनमें एएनपीआर (ऑटो नंबर प्लेट रोकोनाइजेशन सिस्टम) की सुविधा भी मौजूद होगी, जिसकी मदद से सड़क पर किसी वाहन के नंबर प्लेट की पहचान आसानी से करके कार्रवाई की जा सकेगी। वहीं, एसटीएफ को दिया जाने वाला ड्रोन हाई क्विलिटी की होगा और इनकी मदद से दियारा समेत अन्य दुर्गम इलाकों में सशक्त तरीके से चौकसी हो सकेगी। इन ड्रोन की खरीद केंद्र सरकार की योजना एएसयूएमपी (एसिस्टेंस टू स्टेट्स एंड यूटीज फॉर मॉडर्नाइजेशन ऑफ पुलिस) के अंतर्गत की जाएगी। इस मद में जारी राशि में राज्य सरकार भी अपना राज्यांश देगी। एडीजी सुधांशु कुमार ने कहा कि सभी थानों की सीसीटीवी से सर्विलांस करने की योजना है। थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने और डैश बोर्ड स्थापित करने के लिए एएसयूएमपी योजना के तहत 112 करोड़ 46 लाख रुपये आवंटित की गई है।

7 एफएसएल मार्च तक होंगे शुरू

राज्य में 7 अलग-अलग स्थानों पर एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की शुरूआत इस वर्ष मार्च से होने की संभावना है। वर्तमान में चार एफएसएल पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर और पूर्णिया में कार्यरत हैं। इसके अलावा 34 चलंत एफएसएल मोबाइल लैब भी हैं। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) समेत अन्य नए कानूनों के सफल क्रियान्वयन में फॉरेंसिक रिपोर्ट की अहमियत काफी बढ़ गई है। इसे ध्यान में रखते हुए एफएसएल की संख्या का विस्तार किया जा रहा है। एडीजी ने बताया कि राज्य में आईजी की देखरेख में साइबर यूनिट की शुरूआत हो चुकी है।

सीसीटीवी से सरकारी भवनों की चौकसी

एडीजी ने कहा कि पटना में सभी सचिवालय भवनों के साथ ही जिला स्तरीय कार्यालयों और सभी प्रमुख भवनों एवं स्थानों की निरंतर मॉनीटरिंग सीसीटीवी से करने की योजना है। इसके लिए इन स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा के साथ डैशबोर्ड लगाने की योजना है। ताकि सभी स्थानों की समुचित मॉनीटरिंग की जा सके। वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस पर 23 करोड़ 58 लाख रुपये खर्च आने की संभावना है।

एसडीएम ने भूमि विवाद मामलों का जनता दरबार में किया निष्पादन

केटी न्यूज/रोहतास

रैयतों के भूमि विवाद मामलों के निपटारा हेतु शनिवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार में एसडीएम प्रभात कुमार के मौजुदगी में जनता दरबार आयोजित हुआ। जिस दौरान आपसी जमीनी विवाद एवं दुसरे अन्य रैयतों के साथ विवादों का समाधान निकालने का प्रयास हुआ। जानकारी देते हुए अंचलाधिकारी पिंटू कुमार ने बताया कि रोतवा गांव निवासी अरूण कुमार बनाम कामता सिंह,छपरा गांव निवासी लक्ष्मण साह बनाम भैयाराम व जयराम सिंह तथा परसिया गांव निवासी लालबाबु पासवान बनाम गोरख पासवान समेत आधा दर्जन रैयतों के बीच भूमि विवाद की सुनावाई हुआ। सभी पक्षों के बयनात को दर्ज किया गया। इनके बीच भूमि विवाद का आपसी समझौता से निपटारा का प्रयास किया गया। इस दौरान रैयतों ने अपनी बात को एसडीएम के समक्ष रखते हुए अपना पक्ष प्रस्तुत किया। बैठक के दौरान दो नया मामला दर्ज हुआ। कार्यालय को प्रतिदिन प्राप्त होने वाले आवेदनों की सुनवाई एवं पुराने मामलों से सम्बंधित मामलों का निपटारा हेतु अगले बैठक के दौरान उपस्थित होने के लिए रैयतों को नोटिस निर्गत किया गया। गत बैठक में प्राप्त आवेदन के आलोक में नोटिस पर बुलाये गये रैयतों के कागजात की जांच की गई। रैयतों का बयान दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई के लिए सम्बंधित कर्मी को निर्देशित किया गया.मौके पर राजपुर थानाध्यक्ष उमुस सलमा,पुलिस पदाधिकारी आशा कुमारी, बघैला पुलिस पदाधिकारी,अंचल कर्मी अमीत कुमार,संदीप कुमार समेत कई अन्य रैयत मौजूद रहे।

उदघाटन : रोहतास में नए प्लांट के विस्तार से लोगों को मिल रहें रोजगार : अरुणा देवी

केटी न्यूज/रोहतास

रोहतास जिला क्षेत्र के संझौली प्रखंड के समहुता गांव में रोहतास गढ़ फूड ड्रिंकिंग प्रा.लि.प्लांट का भव्य शुभारंभ हुआ। जिस कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि राज्य विधान परिषद सदस्य,बिहार

सह तरारी विधानसभा प्रभारी वरीय जदयू नेत्री अरुणा देवी और जगदीशपुर विद्यायक सह पूर्व मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर फीता काट किया। इस दौरान लोगों ने मुख्य अतिथि भगवान कुशवाह और अरुणा देवी को फूल माला पहनाते हुए बुके,भगवान का मोमेंट और अंगवस्त्र भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। जहां उक्त अवसर पर प्रखंड क्षेत्र समस्त जनप्रतिनिधि व जदयू कार्यकर्ता सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहें। दूसरी तरफ नवनिर्मित पैकिंग फूड ड्रिंकिंग कंपनी प्लांट के खुलते ही प्रखंड क्षेत्र के लोगों में रोजगार को लेकर खुशी भी व्याप्त है। मौके पर मुख्य अतिथि वरीय जदयू नेत्री

अरुणा देवी ने उपस्थित लोगों को संबंधित करते हुए कहा कि आज पूरे रोहतास जिले में स्वरोजगार को लेकर लोग आत्मनिर्भर बन विभिन्न प्रकार के प्रोडक्ट से जुड़े नवनिर्मित प्राईवेट लिमटेड कंपनी प्लांट का नींव रख जिला क्षेत्र के लोगों को जीवन यापन के लिए उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान कर रहे हैं। जदयू नेत्री ने इस सराहनीय कार्य के लिए फूड ड्रिंकिंग

प्रा.लि. के निदेश जदयू जिलाध्यक्ष मीडिया सेल के शशि रंजन कुशवाहा का भी आभार व्यक्त किया। साथ ही बताया कि शशि रंजन दृढ़ संकल्प के साथ रोजगार के क्षेत्र में स्वयं को आत्मनिर्भर बनाते हुए प्रखंड क्षेत्र में सैकड़ों बेरोजगार लोगों को भी रोजगार से जोड़ रहें है। मौके पर राहुल सिंह,ब्रजेश सिंह, संदीप सम्राट,धनंजय पटेल, राजेश पट्टीदार, राजेश चौधरी व जनप्रतिनिधि सहित सैकड़ों ग्रामीण लोग मौजूद थे।

दिन के समय तापमान में दर्ज की जा रही बढ़ोतरी

बिहार में धूप लौटी, लेकिन ठंड और कोहरे से अभी राहत नहीं

एजेंसी। पटना

राज्य भर में धूप लौट आई है, जिससे लोगों को कड़ाके की ठंड से कुछ राहत महसूस हुई है। दिन के समय तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है, जिससे सर्दी का असर थोड़ा कम हुआ है। हालांकि, उत्तरी बिहार के कई इलाकों में रातें अब भी काफी ठंडी बनी हुई हैं और सुबह-सुबह घना कोहरा लोगों की परेशानी बढ़ा रहा है। मौसम विभाग ने साफ किया है कि फिलहाल ठंड से पूरी तरह राहत मिलने के आसार नहीं हैं और कनकनी तथा कोहरे का सिलसिला अभी जारी रहेगा। पटना, गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया और सहरसा जैसे जिलों में दिन के समय धूप खिलने से

अधिकतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इससे लोगों ने धूप सेंककर राहत महसूस की, वहीं बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर भी चहल-पहल बढ़ती नजर आई। स्कूल जाने वाले बच्चों, दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों और खेतों में काम कर रहे किसानों के लिए धूप कुछ राहत लेकर आई है। हालांकि, रात के तापमान में अब भी गिरावट बनी हुई है। कई जिलों में न्यूनतम तापमान 8 से 10 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है, जबकि कुछ तराई इलाकों में यह 6 डिग्री सेल्सियस तक भी पहुंच गया है। ठंडी हवाओं के कारण कनकनी का असर बना हुआ है, जिससे सुबह और रात के समय ठंड का प्रकोप लोगों को सताता रहा है। खासकर बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी बिहार के तराई क्षेत्रों में घना कोहरा अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है। सुबह के समय दृश्यता काफी कम हो जाती है, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो रहा है। कई इलाकों में सुबह-सुबह वाहन चालकों को लाइट जलाकर चलना पड़ रहा है, वहीं कुछ ट्रेनों और बसों की आवाजाही भी देरी से हो रही है। कोहरे के कारण हवाई सेवाओं पर भी असर पड़ने की आशंका बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले कुछ दिनों तक मौसम में ज्यादा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। दिन में धूप निकलने की संभावना बनी रहेगी, लेकिन रात के समय तापमान में गिरावट और सुबह कोहरा जारी रह सकता है। खासकर उत्तर बिहार में कोल्ड डे जैसी स्थिति फिर से बन सकती है, जहां दिन का तापमान सामान्य से नीचे बना रह सकता है। कृषि क्षेत्र पर भी इस मौसम का असर देखने को मिल रहा है। जहां एक ओर धूप से फसलों को कुछ राहत

जनता दरबार में फरियादियों की सुनी गईं शिकायत

केटी न्यूज/रोहतास

प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में शनिवार को जमीन विवादों के निपटारे के लिए जनता दरबार का आयोजन किया गया। शनिवार को आयोजित जनता दरबार में अंचल अधिकारी मधुसूदन चौरसिया और थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालकार मौजूद रहे। उनके समक्ष जमीन विवाद से संबंधित कुल सात मामले प्रस्तुत किए गए।अधिकारियों ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद विधिसम्मत प्रक्रिया अपनाई। अंचल अधिकारी ने प्राप्त आवेदनों के आधार पर मामलों पर निर्णय दिए, जबकि थाना प्रभारी ने इन निर्णयों के अनुपालन के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए।जनता दरबार के दौरान पांच मामलों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। शेष दो मामलों में आवश्यक कागजात और तथ्यों की

जांच के बाद अगली सुनवाई का निर्णय लिया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए शिवम चौरसिया ने बताया कि दोनों पक्षों के आवेदन प्राप्त कर अंचल अधिकारी ने निष्पक्ष निर्णय दिए। उन्होंने कहा कि जनता दरबार से लोगों को त्वरित न्याय मिल रहा है और छोटे विवाद बड़े झगड़ों में बदलने से पहले ही सुलझ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने जनता दरबार की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन की इस पहल से जमीन विवादों को लेकर बढ़ती तनाव की स्थिति में कमी आई है। अधिकारियों ने भी स्पष्ट किया कि भविष्य में भी इसी तरह नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा।

डिप्टी सीएम विजय सिन्हा ने दी सख्त चेतावनी : ऑनलाइन दाखिल-खारिज में लापरवाही पर नपेंगे अधिकारी

एजेंसी। पटना

बिहार में ऑनलाइन भूमि दाखिल-खारिज वादों के निष्पादन में लगातार निर्देशों के बाद भी अनियमितता और अनावश्यक विलम्ब को लेकर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। इस संबंध में सचिव जय सिंह द्वारा सभी जिला समाहर्ता को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं कि दाखिल-खारिज मामलों का निष्पादन बिहार भूमि दाखिल-खारिज अधिनियम, 2011 एवं संशोधित नियमावली, 2020 के प्रावधानों के अनुरूप निर्धारित समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाए। सचिव जय सिंह द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि दाखिल-खारिज रैयतों और भू-धारकों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, बावजूद इसके कई अंचलों में नियमों का पालन नहीं हो रहा है। भूमि सुधार जन कल्याण संवाद एवं अन्य स्त्रोतों से यह तथ्य सामने आया है कि आपत्तिरहित मामलों को भी जान-बूझकर लंबित रखा जा रहा है, जिससे अंचल कार्यालयों की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। पत्र में विशेष रूप से यह उल्लेख किया गया है कि आम-खास सूचना जारी होने के बाद 14 दिनों की अवधि में यदि कोई वैध आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो अंचल अधिकारी द्वारा बिना देरी के दाखिल-खारिज का आदेश पारित किया जाना चाहिए। इसके विपरीत, कई मामलों में अंचल स्तर पर स्वयं ही आधारहीन ह्यस्वतः आपत्तिह्न दर्ज कर वाद को अनावश्यक रूप से सुनवाई में डाल दिया जाता है, जो नियमों के विपरीत है। विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि सरकारी खाता या खेसरा से संबंधित भूमि के मामलों में ही संतुष्टि के आधार पर स्वतः आपत्ति दर्ज की जा सकती है। अन्य मामलों में बिना ठोस कारण के स्वतः आपत्ति दर्ज करना कदाचार की श्रेणी में आएगा। साथ ही यदि किसी असामाजिक तत्व द्वारा बिना आधार या बिना किसी वैधानिक हित के आपत्ति दर्ज की जाती है, तो उनके विरुद्ध विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जवाबदेही तय करते हुए विभाग ने चेतावनी दी है कि भविष्य में यदि किसी अंचल में अकारण लंबित दाखिल-खारिज वादों की संख्या अधिक पाई जाती है, तो संबंधित अंचल अधिकारी के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा की जाएगी। सभी जिला समाहर्ता को निर्देश दिया गया है कि वे अपने स्तर से अंचल अधिकारियों को इन आदेशों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराएं। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के इस कदम से ऑनलाइन दाखिल-खारिज प्रक्रिया में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही सुनिश्चित होने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे राज्य के आम नागरिकों को शीघ्र और न्यायसंगत दाखिलझ्खारिज की सेवा मिल सकेगी। उधर, उपमुख्यमंत्री सह मंत्री, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग विजय कुमार सिन्हा ने कड़े शब्दों में कहा है कि अब भी यदि कोई अंचल अधिकारी या कर्मी दाखिल-खारिज के मामलों को जान-बूझकर बेवजह लंबित रखता है, तो इसे सीधे तौर पर कर्तव्यहीनता और नागरिकों के अधिकारों के साथ खिलवाड़ माना जाएगा।

समृद्धि यात्रा के दौरान बोले डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, कहा..

बिहार में रोजगार के लिए उद्योग और डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना

एजेंसी। पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा का आज दूसरा दिन है। मोतिहारी पहुंचे सीएम नीतीश ने कई विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस दौरान उनके साथ उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, सम्राट चौधरी और मंत्री विजय कुमार चौधरी भी मौजूद रहे। इसके बाद सीएम नीतीश ने अलग-अलग स्टॉल का निरीक्षण किया। जीविका दीदियों के स्टॉल को देख सीएम नीतीश विशेष तौर पर खुश हुए। सीएम नीतीश ने मोतिहारी को करोड़ों के तोहफे दिए। समृद्धि यात्रा के दौरान डिप्टी सीएम और गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में रोजगार के लिए उद्योग और डिफेंस कॉरिडोर की स्थापना की जा जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा के बारे में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा

कि पिछले पांच वर्षों में 50 लाख लोगों को सरकारी नौकरी और रोजगार दिया गया है और अब एक करोड़ नौकरी और रोजगार का लक्ष्य है। इसके लिए राज्य में उद्योगों का जाल बिछाया जा रहा है। उद्योगों को आगे बढ़ाने के लिए बिहार में देश की सबसे अच्छी उद्योग नीति बनाई गई है। बिहार में उद्योग कॉरिडोर बनाया जा रहा है, इसके साथ ही रोजगार को बढ़ावा देने के लिए बिहार में डिफेंस कॉरिडोर का भी निर्माण कराया जाएगा। सम्राट चौधरी ने कहा- मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने बिहार को बदलने का काम किया है। 2005 से पहले यहां सड़कें, बिजली, साफ पेयजल और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बेहद खराब थी। पटना से मोतिहारी आने में सात से आठ घंटे लगते थे, लेकिन आज यह दूरी चार घंटे में तय हो रही है। बिहार में अब एक्सप्रेस-वे का जाल बिछाया जा रहा है। रक्सौल में एयरपोर्ट का भी निर्माण कराया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ समृद्धि यात्रा के दौरान पूर्वी चंपारण पहुंचे। मोतिहारी के गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा-2005 से पहले शहरों में बमुश्किल चार से पांच घंटे ही बिजली मिलती थी, लेकिन नीतीश कुमार के नेतृत्व में आज बिहार के हर गांव और शहर में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति हो रही है। अब तो सरकार द्वारा 1 करोड़ 90 लाख परिवारों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली दी जा रही है। ये बदला हुआ बिहार है। सम्राट चौधरी ने कहा कि पूर्वी चंपारण के कैथवलिया में विराट रामायण मंदिर में दुनिया का सबसे बड़ा सहस्त्र लिंगम स्थापित किया गया है। सरकार इस क्षेत्र के समग्र विकास के लिए चाहरदीवारी, सड़क और अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण कराएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के विकास के लिए जनता ने जो जनादेश दिया है, उसके लिए सरकार आभारी है। मोतिहारी की जनता ने यहां 11 में से 10 सीटों पर एनडीए को आशीर्वाद दिया है। श्री चौधरी ने कहा सरकार अपने सभी वादों को पूरा करेगी। समृद्धि यात्रा के माध्यम से समृद्ध बिहार की नींव को मजबूत किया जा रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कभी बिहार का बजट मात्र 6 हजार करोड़ रुपये हुआ करता था, लेकिन आज यह बढ़कर 3.17 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर, मोतिहारी में विराट रामायण मंदिर निर्माण के बाद अब सीतामढ़ी के पुनौराधाम में मां जानकी की जन्मस्थली पर भव्य जानकी मंदिर का निर्माण, कराया जा रहा है। बिहार में विकास के साथ-साथ धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण हो रहा है।

एक नजर

बिहार में भीषण सड़क हादसा, हाइवा, कार की टक्कर में चार युवकों की दर्दनाक मौत

मधेपुरा । बिहार के मधेपुरा जिले से शनिवार की सुबह एक बेहद दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। मधेपुराझवीरपुर नेशनल हाईवे (एनएच-106) पर तेज रफ्तार हाइवा और एक कार के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में कार सवार चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना सदर थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिजली कार्यालय (पावर ग्रिड) और बीएन मंडल विश्वविद्यालय के समीप घटी, जिससे पूरे इलाके में शोक और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शनिवार तड़के जब घना कोहरा छाया हुआ था और चारों ओर अंधेरा पसरा था, तभी विपरीत दिशा से आ रहे एक अनियंत्रित हाइवा ने तेज रफ्तार में कार को सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और वह हाइवा के नीचे जा घुसी। कार के परखच्चे उड़ गए और भीतर बैठे चारों युवक बुरी तरह फंस गए। हादसे की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग दहल उठे और तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े। स्थानीय लोगों ने जब कार के पास पहुंचकर देखा तो चारों युवक अचेत अवस्था में थे। सूचना मिलते ही सदर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसे शवों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद शवों को कार से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक चारों युवकों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। फिलहाल मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस द्वारा उनके परिजनों को सूचना देने का प्रयास किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि सभी युवक किसी निजी कार्य से कार से यात्रा कर रहे थे। जैसे ही हादसे की खबर परिजनों तक पहुंची, घरों में कोहराम मच गया। परिजन रो-रोकर बेसुध हो गए और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

50 सुपर ड्रोन से होगी बिहार की निगरानी, सभी थानों की सीसीटीवी से होगी 247 सर्विलांस

पटना। बिहार पुलिस जल्द ही आधुनिक तकनीक से और ज्यादा मजबूत होने जा रही है। राज्य में कानून-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और निगरानी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए हाई कैपेसिटी ड्रोन खरीदे जाएंगे। इस परियोजना पर करीब 25 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिसकी मंजूरी केंद्र सरकार की हाई पावर कमेटी ने दे दी है। यह जानकारी शुक्रवार को पटना स्थित पुलिस मुख्यालय सरदार पटेल भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में एडीजी (आधुनिकीकरण) सुधांशु कुमार ने दी। एडीजी ने बताया कि मार्च 2026 तक लगभग 50 अत्याधुनिक ड्रोन खरीदे जाएंगे। इन ड्रोन की मदद से बिहार पुलिस की निगरानी क्षमता में बड़ा इजाफा होगा और अपराधियों पर नजर रखना आसान हो जाएगा। नई योजना के तहत राज्य के सभी पुलिस जिलों को एक-एक ड्रोन दिया जाएगा। इसके अलावा स्पेशल टास्क फोर्स (रळऋ) के लिए 10 बेहद उच्च क्वालिटी के ड्रोन खरीदे जाएंगे। इनका इस्तेमाल खासतौर पर दियारा क्षेत्र, घने जंगलों और दुर्गम इलाकों में निगरानी के लिए किया जाएगा, जहां सामान्य पुलिस बल की पहुंच कठिन होती है। जिलों को मिलने वाले ड्रोन लगातार 45 मिनट तक उड़ान भरने में सक्षम होंगे। ये ड्रोन भीड़ नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधियों की तलाश और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने में अहम भूमिका निभाएंगे। बड़े आयोजनों, चुनाव, जुलूस और आपात स्थितियों में इन ड्रोन की मदद से रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा सकेगी। इन ड्रोन में अठढफ(ऑटो नंबर प्लेट रिकॉग्निशन) सिस्टम की सुविधा भी होगी। इससे सड़क पर चल रहे वाहनों की नंबर प्लेट को आसानी से पहचाना जा सकेगा। चोरी की गाड़ियां, अपराध में इस्तेमाल हो रहे वाहन या संदिग्ध वाहनों पर तुरंत कार्रवाई संभव होगी। ड्रोन की खरीद केंद्र सरकार की अरवटढ योजना के तहत की जा रही है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार दोनों की हिस्सेदारी होगी। बिहार पुलिस को हाईटेक बनाने की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया जा रहा है। राज्य के सभी थानों में लगे उउळश कैमरों की सीधी सर्विलांस व्यवस्था विकसित की जाएगी। इसके लिए थानों में अत्याधुनिक कैमरे और डैशबोर्ड लगाए जाएंगे।

बिहार के पुलिस अधिकारियों को सरकार की बड़ी सौगात, पटना में बनेगा आधुनिक आईपीएस मेस भवन

एजेंसी। पटना

पटना में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों के लिए एक अत्याधुनिक मेस भवन का निर्माण किया जाएगा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस बेसमेंट और ग्राउंड के साथ चार मंजिला (बी+जी+4) भवन के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की है। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 37 करोड़ 39 लाख 63 हजार 400 रुपये है। भवन में अधिकारियों के लिए बेहतर कार्य और निवास सुविधाओं के साथ फर्नीचर और अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाएं भी शामिल होंगी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि इस नए क्वॅर मेस भवन के निर्माण से अधिकारियों को आधुनिक, सुरक्षित और सुविधायुक्त आवास और कार्यस्थल उपलब्ध होगा। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली ठऊअ सरकार राज्य में पुलिस

अधिकारियों और कर्मियों के लिए लगातार आधुनिक बुनियादी ढांचा विकसित कर रही है। हाल ही में सरकार ने पूर्वी चंपारण में पुलिस अधीक्षक का नया कार्यालय भवन, रोहतास के डिहरी पुलिस केंद्र में रक्षित कार्यालय एवं शस्त्रागार भवन तथा लखीसराय पुलिस केंद्र में महिला पुलिसकर्मियों के लिए 200 बेड क्षमता वाले आधुनिक बैरक के निर्माण को मंजूरी दी है। यह कदम राज्य में पुलिस प्रशासन को मजबूत और अधिकारियों के कार्य एवं निवास अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

पटना में सरस्वती पूजा पर कड़ा पहरा, बिना लाइसेंस पंडाल लगाने वालों पर सख्त कार्रवाई

एजेंसी। पटना

बिहार में सरस्वती पूजा के मद्देनजर जिला प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम और एसएसपी कार्तिकेय के. शर्मा ने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था को तीन चरणों में सुनिश्चित करने की योजना बनाई है। उनका जोर है कि आयोजन से पहले, पूजा के दौरान और विसर्जन के समय हर स्तर पर समन्वय, सतर्कता और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि यह त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से मनाया जा सके। डीएम और एसएसपी ने साफ कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। आयोजन से पहले प्रशासन संवेदनशील स्थानों की पहचान करेगा, पूजा समितियों को लाइसेंस जारी करेगा और सभी तैयारियों की निगरानी करेगा। पूजा के दौरान भीड़ पर सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जाएगी और जगह-जगह फ्लैक्स-बैनर लगाकर लोगों को चेतावनी दी जाएगी कि हर गतिविधि कैमरे की निगरानी में है। विसर्जन के समय ड्रोन कैमरों की मदद से सुरक्षा को और मजबूत किया जाएगा, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति पर तुरंत नियंत्रण पाया जा सके। सोशल मीडिया मॉनीटरिंग सेल को लगातार सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी तरह की अफवाह या भ्रामक सूचना पर तत्काल खंडन किया जाएगा। गुप्त सूचना तंत्र को भी मजबूत किया जाएगा और पूर्व की घटनाओं में शामिल रहे असामाजिक तत्वों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही क्विक रिस्पांस टीम और क्विक मेडिकल रिस्पॉन्स टीम की तैनाती आपात स्थिति से निपटने के लिए की जाएगी, ताकि किसी भी स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया की जा सके।

पटना में प्लास्टिक गोदाम में भीषण आग : इलाका कराया गया खाली, आग बुझाने में जुटी फायर ब्रिगेड

11 राजधानी पटना के बाईपास थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे पर करमली चक के पास शनिवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक प्लास्टिक के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर तक दिखाई देने लगा। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास का पूरा इलाका दहकता नजर आया, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह के समय अचानक गोदाम से धुआं उठता दिखा और कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम में बड़ी मात्रा में प्लास्टिक सामग्री जमा होने के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। प्लास्टिक के जलने से निकलने वाला जहरीला धुआं आसपास के रिहायशी और व्यावसायिक इलाकों

तक फैल गया, जिससे लोगों को सांस लेने में तकलीफ होने लगी। हालात बिगड़ते देख स्थानीय लोगों ने अपने घर और दुकानों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागना शुरू कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग हरकत में आ गया। फायर ब्रिगेड की दर्जनों गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। शुरूआती तौर पर 2 से 3 दमकल गाड़ियों को लगाया गया, लेकिन आग की भयावहता को देखते हुए बाद में 10 से 13 फायर टेंडरों को मौके पर बुलाना पड़ा। दमकलकर्मी लगातार कई घंटों तक आग पर काबू पाने के लिए जूझते रहे। आग बुझाने के लिए पानी के साथ-साथ फोम का भी इस्तेमाल किया गया, ताकि प्लास्टिक से उठ रही लपटों को नियंत्रित किया जा सके। आग की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन आसपास के इलाके को खाली कराना शुरू कर दिया।

विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग की स्थापना : पीठ पूजा में उमड़ा शिवभक्तों का सैलाब

एजेंसी। पटना

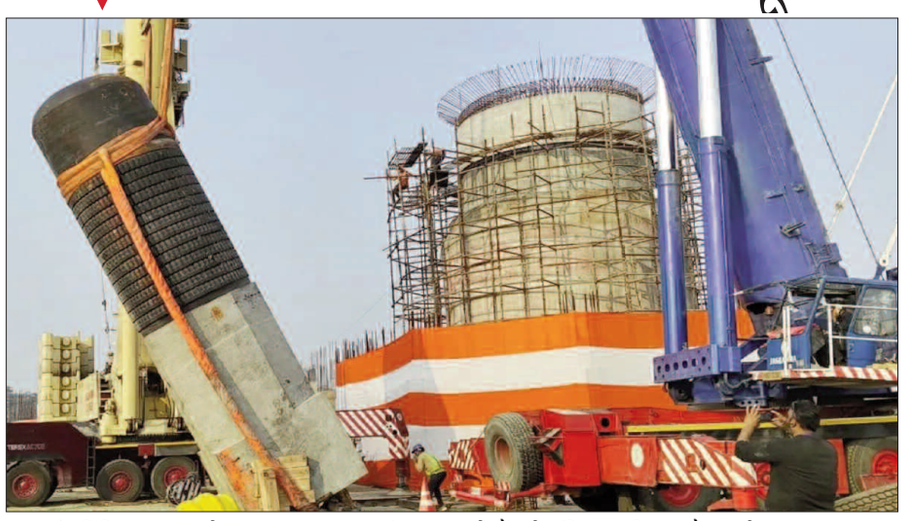

पूर्वी चंपारण जिले के कल्याणपुर प्रखंड अंतर्गत कैथोलिया स्थित जानकी नगर में निमार्णाधीन विराट रामायण मंदिर में विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग सहस्त्रलिंगम की स्थापना को लेकर शनिवार से पीठ पूजा उत्साहपूर्वक प्रारंभ हो गई। इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल व्याप्त है। पीठ पूजा में समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी और उनके पति सायण कुणाल यजमान के रूप में शामिल हुए हैं। सायण कुणाल महावीर मंदिर न्यास, पटना के सचिव भी हैं। महादेव की नगरी काशी सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए विद्वान

आचार्य विधिवत रूप से पूजा-अनुष्ठान संपन्न करा रहे हैं। पूरे मंदिर परिसर और उसके आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। बड़ी संख्या में शिवभक्त राम-जानकी पथ पर पैदल चलते हुए मंदिर पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु शिव मंत्रों का जाप कर रहे हैं, वहीं महिलाएं महादेव के मंगल गीत गाकर वातावरण को और भी आध्यात्मिक बना रही हैं। इस पावन अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत कई बड़े नेताओं के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है, जिससे आयोजन का महत्व और भी बढ़ गया है। बता दें कि 30 जून 2023 को विराट रामायण मंदिर के निर्माण के लिए धार्मिक न्यास परिषद, पटना के तत्कालीन अध्यक्ष आचार्य किशोर कुणाल के नेतृत्व में शिलापूजन किया गया था। इसके बाद लगभग डेढ़ वर्षों तक प्रतिदिन करीब 250 मजदूरों ने लगातार कार्य करते हुए जमीन के भीतर 100 फीट गहराई तक कुल 3102 स्तंभ खड़े किए। नींव कार्य पूर्ण होने के बाद मंदिर परिसर में आधारपीठ का निर्माण किया गया। अब उसी आधारपीठ पर तमिलनाडु के महाबलीपुरम में निर्मित 33 फीट ऊंचे और 33 फीट मोटे भव्य सहस्त्रलिंगम की स्थापना की जा रही है, जिसे विश्व का सबसे बड़ा सहस्त्रलिंगम बताया जा रहा है। यह आयोजन न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

गया के बाराचट्टी में दर्दनाक सड़क हादसा, कंटेनर की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत

एजेंसी। पटना

गया मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर बाराचट्टी थाना क्षेत्र में शनिवार देर शाम एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक ने सड़क किनारे बैठी दो महिलाओं को कुचल दिया। इस हादसे में दोनों महिलाओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि ट्रक का चालक और खलासी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना बाराचट्टी थाना क्षेत्र के तेतरिया इलाके की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, झारखंड की ओर से आ रहा कंटेनर ट्रक काफी तेज रफ्तार में था। राष्ट्रीय राजमार्ग पर चल रहे एक डंपर को बचाने के प्रयास में चालक ने अचानक ब्रेक लिया, जिससे ट्रक अनियंत्रित हो गया। नियंत्रण खोने के बाद ट्रक मुख्य सड़क से उतरकर सर्विस लेन में जा घुसा। सर्विस लेन के किनारे एक घर के सामने बैठी दो महिलाएं ट्रक की चपेट में आ गईं। हादसा इतना भयावह था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। महिलाओं को कुचलने के बाद कंटेनर दोबारा हाईवे पर चढ़ गया और सड़क के दूसरी ओर स्थित एक घर से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि घर का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।